ॐ

उणादिकोशः

अनेकोपयोगिपरिशिष्टैरुपबृंहितः
सूत्रपाठेन युतः

संकलनकर्ता

स्वामी शान्तिधर्मानन्द सरस्वती

सत्यं साधना कुटीर

कैलास गेट, डाकः मुनि की रेती

तहः ऋषिकेश, जिलाः टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड

चलदूरभाष् : 9557130251

ईपत्र : swsdsr@gmail.com

www.satyamsadhana.org

7 अगस्त 2016 मूल्यः ₹ 30/-

उणादिकोशस्य शुद्धिपत्रम्

सूत्रसंख्या	अशुद्धिः	शुद्धिः
1-11	संप्रसारणरं	संप्रसारणं
1-15	सुजे	सृजे
1-27	तृक्धुक्दीर्घ	तुक्धुक्दीर्घ
1-34	हरिमितयोदुवः	हरिमितयोर्दुवः
1-49	नञिव्यथेः	नञि व्यथेः
1-50	किलेर्वुक्च	किलेर्बुक्च
1-68	सम्प्रससरणं	सम्प्रसारणं
1-90	यालोपक्च	यालोपश्च
2-42	प्राङिपणिकषः	प्राङि पणिकषः
2-108	वृत्तेश्च	वृतेश्च
3-18	निजे	तिजे
3-53	कृवृदारिभ्य	कॄवृदारिभ्य
3-78	सत्तेर्दुक्च	सर्त्तेर्दुक्च
3-110	तमिहर्येभ्यो	तमिनमिहर्येभ्यो
3-127	षिदाशिषः	षिदाशिषि
4-51	नलोपष्च	नलोपश्च
4-53	पार्शिर्णचूर्णि	पार्ष्णिचूर्णि
4-73	ङिच्च	डिच्च
4-69	अदेस्त्रिनिश्च	अदेस्त्रिब् निच्च
4-105	त्वन्लण्क्विनन्	त्वन्लण्क्निन्
4-162	दिवेर्द्युश्च	दिवेर्द्युच्च
4-184	पदिप्रस्थिभ्यां	पदिप्रथिभ्यां
4-224	पूर्ववच्य	पूर्ववच्च
5-43	रलचौ	रलचौ पूर्वपदान्तलोपश्च।
5-55	पृट् च तरौ	पुट् च तरौ
5-66	तरतेड्रिः	तरतेर्ड्रिः

आचार्यशान्तनवप्रणीतः फिट्सूत्रपाठः

	अथ प्रथमः पादः	अनुवृत्तिः
01.	फिषोऽन्त उदात्तः।	4.19
02.	पाटलापालङ्काम्बासागरार्थानाम्।	
03.	गेहार्थानामस्त्रियाम्।	1.4
04.	गुदस्य च।	
05.	ध्यपूर्वस्य स्त्रीविषयस्य।	
06.	खान्तस्याश्मादेः।	
07.	ह्ष्ठिवत्सरतिशत्थान्तानाम्।	
08.	दक्षिणस्य साधौ।	1.10
09.	स्वाङ्गाख्यायामादिर्वा।	
10.	छन्दसि च।	1.12
11.	कृष्णस्यामृगाख्या चेत्।	1.12
12.	वा नामधेयस्य।	1.13
13.	शुक्लगौरयोरादिः।	
14.	अङ्गुष्ठोदकबकवशानां छन्दस्यन्तः।	1.15
15.	पृष्ठस्य च।	
16.	अर्जुनस्य तृणाख्या चेत्।	
17.	अर्यस्य स्वाम्याख्या चेत्।	
18.	आशाया अदिगाख्या चेत्।	
19.	नक्षत्राणामाब्विषयाणाम्।	1.20
20.	न कुपूर्वस्य कृत्तिकाख्या चेत्।	
21.	घृतादीनां च।	
22.	ज्येष्ठकनिष्ठयोर्वयसि।	
23.	बिल्वतिष्ययोः स्वरितो वा।	
	।। इति फिट्सूत्रेषु प्रथमः पादः।।	
	फिष् = प्रातिपदिकम्। नब् = नपुंसकम्। यमन्वा = वृद्धः अष् = अच्। शिट् = सर्वनाम। स्फिग् = लुब् = लुप्।	

	अथ द्वितीय पादः	अनुवृत्तिः
01.	अथादिः★ प्राक्शकटेः।	3.19
02.	ह्रस्वान्तस्य स्त्रीविषयस्य।	
03.	नब्विषयस्यानिसन्तस्य।	
04.	तृणधान्यानां च द्व्यषाम्।	
05.	त्रः संख्यायाः।	
06.	स्वाङ्गशिटामदन्तानाम्।	
07.	प्राणिनां कुपूर्वम्।	
08.	खय्युवर्णं कृत्रिमाख्या चेत्।	
09.	उनर्वन्नन्तानाम्।	
10.	वर्णानां तणतिनितान्तानाम्।	
11.	ह्रस्वान्तस्य ह्रस्वमनृत्ताच्छील्ये।	
12.	अक्षस्यादेवनस्य।	
13.	अर्धस्यासमद्योतने।	
14.	पीतद्द्वर्थानाम्।	
15.	ग्रामादीनां च।	
16.	स्फिगन्तस्योपमेयनामधेयस्य।	2.18, 2.17
17.	न वृक्षपर्वतविशेषव्याघ्रसिंहमहिषाणाम्।	
18.	राजविशेषस्य यमन्वा चेत्।	
19.	लघावन्ते द्वयोश्च बह्वषो गुरुः।	
20.	स्त्रीविषयवर्णाक्षुपूर्वाणाम्।	
21.	शकुनीनां च लघु पूर्वम्।	
22.	नर्तु प्राण्याख्यायाम्।	
23.	धान्यानां च वृद्धक्षान्तानाम्।	
24.	जनपदशब्दानामषन्तानाम्।	2.25
25.	हयादीनामसंयुक्तलान्तानामन्तः पूर्वं वा।	
26.	इगन्तानां च द्व्यषाम्।	
	।। इति फिट्सूत्रेषु द्वितीयः पादः ।।	
	हय् = हल्। ★ 2.8, 2.21 वर्ज।	

	अथ तृतीयः पादः	अनुवृत्तिः
01.	अथ द्वितीयं★1 प्रागीषात्।	3.17
02.	त्र्यचां प्राङ् मकारात्।	3.7
03.	स्वाङ्गानामकुर्वादीनाम्।	
04.	मादीनां च।	
05.	शादीनां शाकानाम्।	
06.	पान्तानां गुर्वादीनाम्।	
07.	युतान्यण्यन्तानाम्।	
08.	मकरवरूढपारेवतवितस्तेक्ष्वार्जिद्राक्षा - कलोमाकाष्ठापेष्ठाकाशीनामादिर्वा।	3.12
09.	छन्दसि च।	
10.	कर्दमादीनां च।	
11.	सुगन्धितेजनस्य ते वा।	
12.	नपः फलान्तानाम्।	
13.	यान्तस्यान्त्यात्पूर्वम् ★2।	3.15
14.	थान्तस्य च नालघुनी।	
15.	शिशुमारोदुम्बरबलीवर्दोष्ट्रार- पुरूरवसां च।	
16.	सांकाश्यकाम्पिल्यनासिक्यदार्वाघाटानाम्।	
17.	ईषान्तस्य हयादेरादिर्वा।	3.19
18.	उशीरदाशेरकपालपलालशैवालश्यामाक- शारीरशरावहृदयहिरण्यारण्यापत्यदेवराणाम्।	
19.	महिष्यषाढयोर्जायेष्टकाख्या चेत्।	
	।। इति फिट्सूत्रेषु तृतीयः पादः।।	
	★1 = 3.13, 3.14 वर्जं। ★2 = 14 वर्जं।	

	अथ चतुर्थ पादः	अनुवृत्तिः
01.	शकटिशकट्योरक्षरमक्षरं पर्यायेण।	4.5
02.	गोष्ठजस्य ब्राह्मणनामधेयस्य।	
03.	पारावतस्योपोत्तमवर्जम्।	
04.	धूम्रजानुमुंजकेशकालवाल स्थालीपाकानामधूजलस्थानाम्।	
05.	कपिकेशहरिकेशयोश्छन्दसि।	
06.	न्यङ्स्वरौ स्वरितौ।	4.9
07.	न्यर्बुदव्यल्कशयोरादिः।	
08.	तिल्यशिक्यकाश्मर्यधान्यकन्या- राजन्यमनुष्याणामन्तः।	4.9
09.	बिल्वभक्ष्यवीर्याणि च्छन्दसि।	
10.	त्वत्त्वसमसिमेत्यनुच्चानि।	
11.	सिमस्याथर्वणेऽन्त उदात्तः।	
12.	निपाता आद्युदात्ताः।	4.13
13.	उपसर्गाश्चाभिवर्जम्।	
14.	एवादीनामन्तः।	
15.	वावादीनामुभावुदात्तौ।	
16.	चादयोऽनुदात्ताः।	4.17
17.	यथेति पादान्ते।	
18.	प्रकारादिद्विरुक्तौ परस्यान्त उदात्तः।	4.19
19.	शेषं सर्वमनुदात्तम्।	
	।। इति फिट्सूत्रेषु चतुर्थः पादः।।	
	।। इति आचार्यशान्तनवप्रणीतः फिट्सूत्रपाठः।।	

अथ उणादिकोशः

अथ प्रथमः पादः

1. कृवापाजिमिस्वदि साध्यशूभ्य उण्।
2. छन्दसीणः।
3. दृसनिजनिचरिचटिरहिभ्यो ञुण्।
4. किञ्जरयोः श्रिणः।
5. त्रो रश्च लः।
6. कृके वचः कश्च।
7. भृमृशीङ्तृचरित्सरितनि धनिमिमस्जिभ्यः उः।
8. अणश्च।
9. धान्ये नित्।
10. शृस्वृस्निहित्रप्यसिवसिहनि क्लिदिबन्धिमनिभ्यश्च।
11. स्यन्देः सम्प्रसारणं धश्च।
12. उन्देरिच्चादेः।
13. ईषेः किच्च।
14. स्कन्देः सलोपश्च।
15. सुजेरसुम् च।
16. कृतेराद्यन्तविपर्ययश्च।
17. नावञ्चेः।
18. फलिपाटिनमिमनिजनां गुक्पटिनाकिधतश्च।
19. वलेर्गुक्च।
20. शः कित्सन्वच्च।
21. यो द्वे च।
22. कुर्भ्रश्च।
23. पृभिदिव्यधिगृधि धृषिहृषिभ्यः।
24. कृग्रोरुच्च।
25. अपदुःसुषु स्थः।
26. रपेरिच्चोपधायाः।
27. अर्जिदृशिकम्यमिपसिबाधा मृजिपशितृक्धुक्दीर्घ हकाराश्च।
28. प्रथिम्रदिभ्रस्जां सम्प्रसारणं सलोपश्च।
29. लङ्घिबंह्योर्नलोपश्च।
30. ऊर्णोतेर्णुलोपश्च।
31. महति ह्रस्वश्च।
32. श्लिषेः कश्च।
33. आङ्परयोः खनिशृभ्यां डिच्च।
34. हरिमितयोर्द्रुवः।
35. शते च।
36. खरुशङ्कुपीयु नीलङ्गुलिगु।
37. मृगय्वादयश्च।
38. मन्दिवाशिमथिचति चङ्क्यङ्किभ्य उरच्।
39. व्यथेः सम्प्रसारणं धः किच्च।
40. मकुरदर्दुरौ।
41. मद्गुरादयश्च।

42. असेरुरन्।
43. मसेश्च।
44. शावशेराप्तौ।
45. अविमह्योष्टिषच्।
46. अमेर्दीर्घश्च।
47. रुहेर्वृद्धिश्च।
48. तवेर्णिद्वा।
49. नञिव्यथेः।
50. किलेर्वुक् च।
51. इषिमदिमुदिखिदिच्छिदि भिदिमन्दिचन्दितिमिमिहि मुहिमुचिरुचिरुधिबन्धि शुषिभ्यः किरच्।
52. अशेर्नित्।
53. अजिरशिशिरशिथिल स्थिरस्फिरस्थविरखदिराः।
54. सलिकल्यनिमहिभडि भण्डिशण्डिपिण्डितुण्डि कुकिभूभ्य इलच्।
55. कमेः पश्च।
56. गुपादिभ्यः कित्।
57. मिथिलादयश्च।
58. पतिकठिकुठिगडिगुडि दंशिभ्य एरक्।
59. कुम्बेर्नलोपश्च।
60. शदेस्तश्च।
61. मूलेरादयः।
62. कबेरोतच् पश्च।
63. भातेर्डवतुप्।
64. कठिचकिभ्यामोरन्।
65. किशोरादयश्च।
66. कपिगडिगण्डिकटि पटिभ्य ओलच्।
67. मीनातेरूरन्।
68. स्यन्देः सम्प्रससरणं च।
69. सितनिगमिमसिसच्यवि धाञ्क्रुशिभ्यस्तुन्।
70. वसेरगारे णिच्च।
71. पः किच्च।
72. अर्त्तेश्च तुः।
73. कमिमनिजनिगाभाया हिभ्यश्च।
74. चायः की।
75. आप्नोतेर्ह्रस्वश्च।
76. कृञः कतुः।
77. एधिवह्योश्चतुः।
78. जीवेरातुः।
79. आतृकन् वृद्धिश्च।
80. कृषिचमितनिधनिसर्जि खर्जिभ्य ऊः स्त्रियाम्।
81. मृजेर्गुणश्च।
82. खडेर्डुड् वा।
83. वहेर्धश्च।
84. कषेश्छश्च।
85. णित् कशिपद्यर्तेः।
86. अणो डश्च।
87 (नञि) लम्बेर्नलोपश्च।
88. के श्र एरङ् चाऽस्य।
89. त्रो दुट् च।
90. दरिद्रातेर्यालोपक्च।

91. नृतिशृध्योः कूः।
92. ऋतेरम् च।
93. अन्दूदृम्फूजम्बूकम्बूकफेलू कर्कन्धूदिधिषूः।
94. मृग्रोरुतिः।
95. ग्रो मुट् च।
96. हृषेरुलच्।
97. हृसृरुहियुषिभ्य इतिः।
98. ताडेर्णिलुक् च।
99. शमेर्ढः।
100. कमेरठः।
101. रमेर्वृद्धिश्च।
102. शमेः खः।
103. कणेष्ठः।
104. कलस्तृपश्च।
105. शपेर्बश्च।
106. वृषादिभ्यश्चित्।
107. कमेर्बुक्।
108. लङ्गेर्वृद्धिश्च।
109. कुटिकशिकौतिभ्यो मुट् च।
110. मृजेष्टिलोपश्च।
111. चुपेरच्चोपधायाः।
112. शकिशम्योर्नित्।
113. छो गुग्घ्रस्वश्च।
114. ञमन्ताड्डः।
115. क्वादिभ्यः कित्।
116. स्थाचतिमृजेरालज्वाल-जालीयचः।
117. पतिचण्डिभ्यामालञ्।
118. तमिविशिविडिमृणिकुलि कपिपलिपञ्चिभ्यः कालन्।
119. पतेरङ्गच् पक्षिणि।
120. तरत्यादिभ्यश्च।
121. विडादिभ्यः कित्।
122. सृवृञोर्वृद्धिश्च।
123. गन्गम्यद्योः।
124. छापूखडिभ्यः कित्।
125. भृञः किन्नुट् च।
126. शृणातेर्ह्रस्वश्च।
127. गण् शकुनौ।
128. मुदिग्रोर्गग्गौ।
129. अण्डन् कृसृभृवृञः।
130. शृदृभसोऽदिः।
131. दृणातेः षुग्घ्रस्वश्च।
132. त्यजितनियजिभ्यो डित्।
133. एतेस्तुट् च।
134. सर्त्तेरटिः।
135. लङ्घेर्नलोपश्च।
136. पारयतेरजिः।
137. प्रथेः कित्सम्प्रसारणं च।
138. भियः षुग्घ्रस्वश्च।
139. युष्यसिभ्यां मदिक्।
140. अर्त्तिस्तुसुहुसृधृक्षि क्षुभायावापदियक्षि नीभ्यो मन्।
141. जहातेः सन्वदालोपश्च।
142. अवतेष्टिलोपश्च।
143. ग्रसेरा च।
144. अविसिविसिशुषिभ्यः कित्।

145. इषियुधीन्धिदसिश्याधूसूभ्यो मक्।
146. युजिरुचितिजां कुश्च।
147. हन्तेर्हि च।
148. भियः षुग्वा।
149. घर्मग्रीष्मौ।
150. प्रथेः षिवन्षवन्ष्वनः सम्प्रसारणं च।
151. अशूप्रुषिलटिकणिखटिविशिभ्यः क्वन्।
152. इण्शीभ्यां वन्।
153. सर्वनिघृष्वरिष्वलष्वशिवपट्वप्रह्वेष्वा अतन्त्रे।
154. शेवायह्वजिह्वाग्रीवाऽप्वामीवाः।
155. कृगृशृदृभ्यो वः।
156. कनिन् युवृषितक्षिराजिधन्विद्युप्रतिदिवः।
157. सप्यशूभ्यां तुट् च।
158. नञि जहातेः।
159. श्वन्नुक्षन्पूषन्प्लीहन्क्लेदन्स्नेहन्मूर्धन्मज्जन्नर्यमन्विश्वप्सन्परिज्वन्मातरिश्वन्मघवन्निति।।

।। इति प्रथमः पादः।।

अथ द्वितीयः पादः

1. कृहृभ्यामेणुः।
2. हनिकुषिनीरमिकाशिभ्यः क्थन्।
3. अवे भृञः।
4. उषिकुषिगार्तिभ्यस्थन्।
5. सर्त्तेर्णित्।
6. जॄवृञ्भ्यामूथन्।
7. पातृतुदिवचिरिचिसिचिभ्यस्थक्।
8. अर्त्तेर्निरि।
9. निशीथगोपीथावगथाः।
10. गश्चोदि।
11. समीणः।
12. तिथपृष्ठगूथयूथप्रोथाः।
13. स्फायितञ्चिवञ्चिशकिक्षिपिक्षुदिसृपितृपिदृपिवन्द्युन्दिश्वितिवृत्यजिनीपदिमदिमुदिखिदिछिदिभिदिमन्दिचन्दिदहिदसिदम्भिवसिवाशिशीङ्हसिसिधिशुभिभ्यो रक्।
14. चकिरम्योरुच्चोपधायाः।
15. वौ कसेः।
16. अमितम्योर्दीर्घश्च।
17. निन्देर्नलोपश्च।
18. अर्देर्दीर्घश्च।
19. शुचेर्दश्च।
20. दुरीणो लोपश्च।

21. कृतेश्छः क्रू च।
22. रोदेर्णिलुक्च।
23. बहुलमन्यत्रापि संज्ञाछन्दसोः।
24. जोरी च।
25. सुसूधागृधिभ्यः क्रन्।
26. शुसिचिमीनां दीर्घश्च।
27. वाविन्धेः।
28. वृधिवपिभ्याम् रन्।
29. ऋज्रेन्द्राग्रवज्रविप्रकुब्रचुब्र क्षुरखुरभद्रोग्रभेरभेलशुक्र शुक्लगौरवन्रेरामालाः।
30. समि कस उकन्।
31. पचिनशोर्णुकन् कनुमौ च।
32. भियः क्रुकन्।
33. क्वुन् शिल्पिसंज्ञयोर पूर्वस्याऽपि।
34. रमे रश्च लो वा।
35. जहातेर्द्वे च।
36. ध्मो धम च।
37. हनो वध च।
38. बहुलमन्यत्रापि।
39. कृषेर्वृद्धिश्चोदीचाम्।
40. उदकञ्च।
41. व्रश्चिकृषोः किकन्।
42. प्राङिपणिकषः।
43. मुषेर्दीर्घश्च।
44. स्यमेः सम्प्रसारणं च।
45. क्रिय इकन्।
46. आङि पणिपनि पतिखनिभ्यः।
47. श्यास्त्याहृञविभ्य इनच्।
48. वृजेः किच्च।
49. अजेरज च।
50. बहुलमन्यत्राऽपि।
51. द्रुदक्षिभ्यामिनन्।
52. अर्त्तेः किदिच्च।
53. वेपितुह्योर्ह्रस्वश्च।
54. तलिपुलिभ्यां च।
55. गर्वेरत उच्च।
56. रुहेश्च।
57. महेरिनण् च।
58. क्विब् वचिप्रच्छि- श्रिस्रुद्रुप्रुज्वां दीर्घोऽसम्प्रसारणं च।
59. आप्नोतेर्ह्रस्वश्च।
60. परौ व्रजेः षश्च पदान्ते।
61. हुवः श्लुवच्च।
62. स्रुवः कः।
63. चिक् च।
64. तनोतेरनश्च वः।
65. ग्लानुदिभ्यां डौः।
66. च्विरव्ययम्।
67. रातेर्डैः।
68. गमेर्डोः।
69. भ्रमेश्च डूः।
70. दमेर्डोसिः।
71. पणेरिज्यादेश्च वः।

72. वशः कित्।
73. भृञ उच्च।
74. जसिसहोरुरिन्।
75. सुयुरुवृञो युच्।
76. अशे रश च।
77. उन्देर्नलोपश्च।
78. गमेर्गश्च।
79. बहुलमन्यत्रापि।
80. रञ्जेः क्युन्।
81. भूसूधूभ्रस्जिभ्यश्छन्दसि।
82. कृपृवृजिमन्दिनिधाञः क्युः।
83. धृषेर्धिष च संज्ञायाम्।
84. हन्तेर्घुर च।
85. वर्तमाने पृषद्बृहन्म-हज्जगच्छतृवच्च।
86. संश्चत्तृपद्वेहत्।
87. छन्दस्यसानच् शुजृभ्याम्।
88. ऋञ्जिवृधिमन्दिसहिभ्यः कित्।
89. अर्त्तेर्गुणः शुट् च।
90. सम्यानच् स्तुवः।
91. युधिबुधिदृशः किच्च।
92. हुर्च्छेः सनो लुक् छलोपश्च।
93. श्वितेर्दश्च।
94. मुचियुधिभ्यां सन्वच्च।
95. तृन्तृचौ शंसिक्षदादिभ्यः संज्ञायां चानिटौ।
96. बहुलमन्यत्राऽपि।
97. नप्तृनेष्टृत्वष्टृहोतृपोतृ भ्रातृजामातृमातृपितृ दुहितृ।
98. सावसेर्ऋन्।
99. यतेर्वृद्धिश्च।
100. नञि च नन्देः।
101. दिवेर्ऋः।
102. नयतेर्डिच्च।
103. सव्ये स्थश्छन्दसि।
104. अर्त्तिसृधृधम्यम्यश्यवितृभ्योऽनिः।
105. आङि शुषेः सनश्छन्दसि।
106. कृषेरादेश्च धः (चः)।
107. अदेर्मुट् च।
108. वृत्तेश्च।
109. क्षिपेः किच्च।
110 अर्चिशुचिहुसृपिछादिछर्दिभ्य इसिः।
111. बृंहेर्नलोपश्च।
112. द्युतेरिसिन्नादेश्च जः।
113. वसौ रुचेः संज्ञायाम्।
114. भुवः कित्।
115. सहो धश्च।
116. पिबतेस्थुक्।
117. जनेरुसिः।
118. मनेर्धश्छन्दसि।
119. अर्त्तिपृवपियजितनिध

नितपिभ्यो नित्।

120. एतेर्णिच्च।

121. चक्षेः शिच्च।

122. मुहेः किच्च।

123. कृगृशृवृञ्चतिभ्यः ष्वरच्।

124. नौ षदेः।

।। इति द्वितीयः पादः ।।

अथ तृतीयः पादः

1. छित्वरछत्वरधीवरपीवरमीवरचीवरतीवरनीवरगह्वरकट्वरसंयद्वराः।
2. इण्सिञ्जिदीङुष्यविभ्यो नक्।
3. फेनमीनौ।
4. कृषेर्वर्णे।
5. बन्धेर्ब्रधिबुधी च।
6. धापृवस्यज्यतिभ्यो नः।
7. लक्षेरट् मुट् च।
8. वनेरिच्चोपधायाः।
9. सिवेष्टेर्यू च।
10. कृवृजृसिद्रुपन्यनिस्वपिभ्यो नित्।
11. धेट इच्च।
12. तृषिशुषिरसिभ्यः कित्।
13. सुञो दीर्घश्च।
14. रमेस्त च।
15. रास्नासास्नास्थूणावीणाः।
16. गादाभ्यामिष्णुच्।
17. कृत्यशूभ्यां क्स्नः।
18. निजेर्दीर्घश्च।
19. श्लिषेरच्चोपधायाः।
20. यजिमनिशुन्धिदसिजनिभ्यो युच्।
21. भुजिमृङ्भ्यां युक्त्युकौ।
22. सर्तेरयुः।
23. पानीविषिभ्यः पः।
24. च्युवः किच्च।
25. स्तुवो दीर्घश्च।
26. सुशृभ्यां निच्च।
27. कुयुभ्यां च।
28. खष्पशिल्पशष्पवाष्परूपपर्पतल्पाः।
29. स्तनिहृषिपुषिगदिमदिभ्यो णेरित्नुच्।
30. कृहनिभ्यां क्त्नुः।
31. गमेः सन्वच्च।
32. दाभाभ्यां नुः।
33. वचेर्गश्च।
34. धेट इच्च।
35. सुवः कित्।
36. जहातेर्द्वेऽन्त्यलोपश्च।

37. स्थो णुः।
38. अजिवृरीभ्यो निच्च।
39. विषेः किच्च।
40. कृदाधारार्चिकलिभ्यः कः।
41. सृवृभूशुषिमुषिभ्यः कक्।
42. शुकवल्कोल्काः।
43. इण्भीकापाशल्यतिम र्चिभ्यः कन्।
44. नौ हः।
45. नौ सदेर्डिच्च।
46. स्यमेरीट् च।
47. अजियुधुनीभ्यो दीर्घश्च।
48. ह्रियो रश्च लो वा।
49. शकेरुनोन्तोन्त्युनयः।
50. भुवो झिच्।
51. कन्युच् क्षिपेश्च।
52. अनुङ् नदेश्च।
53. कृवृदारिभ्य उनन्।
54. त्रो रश्च लो वा।
55. क्षुधिपिशिमिथिभ्यः कित्।
56. फलेर्गुक् च।
57. अशेर्लशश्च।
58. अर्जेर्णिलुक् च।
59. तृणाख्यायां चित्।
60. अर्त्तेश्च।
61. अजियमिशीङ्भ्यश्च।
62. वृतृवदिवचिवसिहनिकमि कषिभ्यः सः।
63. प्लुषेरच्चोपधायाः।
64. मनेर्दीर्घश्च।
65. अशेर्देवने।
66. स्नुव्रश्चिकृत्यृषिभ्यः कित्।
67. ऋषेर्जातौ।
68. उन्दिगुधिकुषिभ्यश्च।
69. गृधिपण्योर्दकौ च।
70. अशेः सरन्।
71. वसेश्च।
72. सम्पूर्वाच्चित्।
73. कृधूमदिभ्यः कित्।
74. पते रश्च लः।
75. तन्यृषिभ्यां क्सरन्।
76. पीयुक्वणिभ्यां कालन् ह्रस्वं संप्रसारणं च।
77. कठिकुषिभ्यां काकुः।
78. सत्तेर्दुक्च।
79. वृतेर्वृद्धिश्च।
80. पर्देर्नित्सम्प्रसारणमल् - लोपश्च।
81. सृयुवचिभ्योऽन्युजागूज क्नुचः।
82. आनकः शीङ्भियः।
83. आणको लूधूशिङ्घिधा ञ्भ्यः।
84. उल्मुकदर्विहोमिनः।
85. ह्रियः कुक् रश्च लो वा।
86. हसिमृग्रिण्वामिदमिलूपू धुर्विभ्यस्तन्।

87. नञ्याप इट् च।
88. तनिमृङ्भ्यां किच्च।
89. अञ्जिघृसिभ्यः क्तः।
90. दुतनिभ्यां दीर्घश्च।
91. जेर्मूट् चोदात्तः।
92. लोष्टपलितौ।
93. हृश्याभ्यामितन्।
94. रुहे रश्च लो वा।
95. पिशेः किच्च।
96. श्रुदक्षिस्पृहिगृहिभ्य आय्यः।
97. दधिषाय्यः।
98. वृञ एण्यः।
99. स्तुवः केय्यश्छन्दसि।
100. राजेरन्यः।
101. शृरम्योश्च।
102. अर्त्तेर्निच्च।
103. पर्जन्यः।
104. वदेरान्यः।
105. अमिनक्षियजिवधिपतिभ्योऽत्रन्।
106. गडेरादेश्च कः।
107. वृञश्चित्।
108. सुविदेः कत्रन्।
109. कृतेर्नुम् च।
110. भृमृदृशियजिपर्विपच्यमितमिहर्येभ्योऽतच्।
111. पृषिरञ्जिभ्यां कित्।
112. खलतिः।
113. शीङ्शपिरुगमिवञ्चिजीविप्राणिभ्योऽथः।
114. भृञश्चित्।
115. रुविदिभ्यां ङित्।
116. उपसर्गे वसेः।
117. अत्यविचमितमिनमिरभिलभिनभितपिपतिपनिपणिमहिभ्योऽसच्।
118. वेञस्तुट् च।
119. वहियुभ्यां णित्।
120. वयश्च।
121. दिवः कित्।
122. कृशृशलिकलिगर्दिभ्योऽभच्।
123. ऋषिवृषिभ्यां कित्।
124. रुषेर्निल्लुष् च।
125. रासिवल्लिभ्यां च।
126. जृविशिभ्यां झच्।
127. रुहिनन्दिजीविप्राणिभ्यः षिदाशिषः।
128. तृभूवहिवसिभासिसाधिगडिमण्डिजिनन्दिभ्यश्च।
129. हन्तेर्मुट् हि च।
130. भन्देर्नलोपश्च।
131. ऋच्छेररः।
132. अर्त्तिकमिभ्रमिचमिदेविवासिभ्यश्चित्।
133. कुवः क्ररन्।
134. अङ्गिमदिमन्दिभ्य

आरन्।
135. गडेः कड च।
136. शृङ्गारभृङ्गारौ।
137. कञ्जिमृजिभ्यां चित्।
138. कमेः किदुच्चोप धायाः।
139. तुषारादयश्च।
140. दीङो नुट् च।
141. सर्त्तेरपः षुक् च।
142. उषिकुटिदलिकचि खजिभ्यः कपन्।
143. क्वणेः सम्प्रसारणं च।
144. कपश्चाक्रवर्मणस्य।
145. विटपविष्टपविशि पोलपाः।
146. वृतेस्तिकन्।
147. कृतिभिदिलतिभ्यः कित्।
148. इष्यशिभ्यां तकन्।
149. इणस्तशन्तशसुनौ।
150. वीपतिभ्यां तनन्।
151. दृदलिभ्यां भः।
152. अर्त्तिगृभ्यां भन्।
153. इणः कित्।
154. असिसञ्जिभ्यां क्थिन्।
155. प्लुषिकुषिशुषिभ्यः क्सिः।
156. अशेर्नित्।
157. इषेः क्सुः।
158. अवितृस्तृतन्त्रिभ्य ईः।
159. यापोः किद् द्वे च।
160. लक्षेर्मुट् च।

।। इति तृतीयः पादः।।

अथ चतुर्थः पादः

1. वातप्रमीः।
2. ऋतन्यञ्जिवन्यञ्ज्यर्पिमद्यत्यङ्गिकुयुकृशिभ्यः कत्निच्यतुजलिजिष्णुजिष्ठजिसन्स्यनिथिन्नुल्यसासानुकः।
3. श्रः करन्।
4. पुषः कित्।
5. कलँश्च।
6. गमेरिनिः।
7. आङि णित्।
8. भुवश्च।
9. प्रे स्थः।
10. परमे कित्।
11. मन्थः।
12. पतः स्थ च।
13. खजेराकः।
14. बलाकादयश्च।
15. शलिपटिपतिभ्यो नित्।
16. पिनाकादयश्च।
17. कषिदूषिभ्यामीकन्।

18. अनिहृषिभ्यां किच्च।
19. चङ्कणः कङ्कणश्च।
20. शॄपॄवॄञां द्वेरुक् चाऽभ्यासस्य।
21. फर्फरीकादयश्च।
22. ईषेः किद्ध्रस्वश्च।
23. ऋजेश्च।
24. सर्त्तेनुम् च।
25. मृडः कीकन्कङ्कणौ।
26. अलीकादयश्च।
27. कृतॄभ्यामीषन्।
28. शॄपॄभ्यां किच्च।
29. अर्जेर्ऋज च।
30. अम्बरीषः।
31. कृशॄपॄकटिपटिशौटिभ्य ईरन्।
32. वशेः किच्च।
33. कशेर्मुट् च।
34. कृञ उच्च।
35. घसेः किच्च।
36. गभीरगम्भीरौ।
37. विषाविहा।
38. पच एलिमच्।
39. शीङो धुक्लग्वलञ्वालनः।
40. मृकणिभ्यामूकोकणौ।
41. वलेरूकः।
42. उलूकादयश्च।
43. शलिमण्डिभ्यामूकण्।
44. नियो मिः।
45. अर्त्तेरुच्च।
46. भुवः कित्।
47. अश्नोते रश च।
48. दल्मिः।
49. वीज्याज्वरिभ्यो निः।
50. सृवृषिभ्यां कित्।
51. अङ्गेर्नलोपश्च।
52. वहिश्रिश्रुयुद्रुग्लाहात्वरिभ्यो नित्।
53. घृणिपृश्निपार्श्णिचूर्णिभूर्णयः।
54. वृदृभ्यां विन्।
55. जॄशॄस्तॄजागृभ्यः क्विन्।
56. दिवो द्वे दीर्घश्चाऽभ्यासस्य।
57. कृविघृष्विछविस्थविकिकीदिवि।
58. पातेर्डतिः।
59. शकेर्ऋतिन्।
60. अमेरतिः।
61. वहिवस्यर्त्तिभ्यश्चित्।
62. अञ्चेः को वा।
63. हन्तेरंह च।
64. रमेर्नित्।
65. सूङः क्रिः।
66. अदिशदिभूशुभिभ्यः क्रिन्।
67. वङ्क्र्यादयश्च।
68. राशदिभ्यां त्रिप्।
69. अदेस्त्रिनिश्च।
70. पतेरत्रिन्।

71. मृकणिभ्यामीचिः।
72. श्वयतेश्चित्।
73. वेञो ङिच्च।
74. ऋहनिभ्यामूषन्।
75. पुरः कुषन्।
76. पृनहिकलिभ्य उषच्।
77. पीयेरूषन्।
78. मस्जेर्नुम् च।
79. गण्डेश्च।
80. अर्त्तेररुः।
81. कुटः किच्च।
82. शकादिभ्योऽटन्।
83.कृकदिकडिकटि भ्योऽम्बच्।
84. कदेर्णित् पक्षिणि।
85. कलिकर्द्योरमः।
86. कुणिपुल्योः किन्दच्।
87. कुपेर्वा वश्च।
88. नौ षञ्जेर्घथिन्।
89. उद्यर्तेश्चित्।
90. सर्त्तेणिच्च।
91. खर्जिपिञ्जादिभ्य ऊरोलचौ।
92. कुवश्चट् दीर्घश्च।
93. समीणः।
94. सिवेष्टेरू च।
95. शमेर्बन्।
96. उल्बादयश्च।
97. स्थः स्तोऽम्बजवकौ।
98. शाशपिभ्यां ददनौ।
99. अब्दादयश्च।
100. वलिमलितनिभ्यः कयन्।
101. वृह्रोः षुक्दुकौ च।
102. मीपीभ्यां रुः।
103. जत्र्वादयश्च।
104. रुशातिभ्यां क्रुन्।
105. जनिदाच्युसृवृमदिषमि नमिभृञ्भ्य इत्वन्त्वन्-त्वण्क्विनन्शक्स्यढ डटाटचः।
106. अन्येभ्योऽपि दृश्यन्ते।
107. कुसेरुम्भोमेदेताः।
108. सानसिवर्णसिपर्णसि तण्डुलाऽङ्कुशचषा लेल्वलपल्वलधिष्ण्य शल्याः।
109. मूशक्यबिभ्यः क्लः।
110. माछाशसिभ्यो यः।
111. सुनोतेश्च।
112. जनेर्यक्।
113. अघ्न्यादयश्च।
114. स्नामदिपद्यर्त्तिपृ शकिभ्यो वनिप्।
115. शीङ्क्रुशिरुहिजिक्षि सृधृभ्यःक्वनिप्।
116. ध्याप्योः सम्प्रसारणं च।
117. अदेर्ध च।
118. प्र ईरशदोस्तुट् च।
119. सर्वधातुभ्य इन्।
120. हृपिषिरुहिवृतिविदि –

छिदिकीर्त्तिभ्यश्च।
121. इगुपधात् कित्।
122. भ्रमेः सम्प्रसारणं च।
123. क्रमितमिशतिस्तम्भामत इच्च।
124. मनेरुच्च।
125. वर्णेर्बलिश्चाऽहिरण्ये।
126. वसिवपियजिराजिव्रजि सदिहनिवाशिवादि वारिभ्य इञ्।
127. नहो भश्च।
128. कृषेर्वृद्धिश्छन्दसि।
129. श्रः शकुनौ।
130. कृञ उदीचां कारुषु।
131. जनिघसिभ्यामिण्।
132. अज्यतिभ्यां च।
133. पादे च।
134. अशिपणाय्यो रुडायलुकौ च।
135. वातेर्डिच्च।
136. प्रे हरतेः कूपे।
137. नौ व्यो यलोपः पूर्वस्य च दीर्घः।
138. समाने ख्यः स चोदात्तः।
139. आङि श्रिहनिभ्यां ह्रस्वश्च।
140. अच इः।
141. खनिकष्यज्यसिवसि वनिसनिध्वनिग्रन्थि चरिभ्यश्च।
142. वृतेश्छन्दसि।
143. भुजेः किच्च।
144. कॄगॄशॄपॄकुटिभिदि छिदिभ्यश्च।
145. कुण्ठिकम्प्योर्नलो पश्च।
146. सर्वधातुभ्यो मनिन्।
147. बृंहेर्नोऽच्च।
148. अशिशकिभ्यां छन्दसि।
149. हृभृधृसृस्तृशॄभ्य इमनिच्।
150. जनिमृङ्भ्यां इमनिन्।
151. वेञः सर्वत्र।
152. नामन्सीमन्व्योमन्रोमन्लो मन्पाप्मन्ध्यामन्।
153. मिथुने मनिः।
154. सातिभ्यां मनिन्मनिणौ।
155. हनिमशिभ्यां सिकन्।
156. कोररन्।
157. गिर उडच्।
158. इन्देः कमिन्नलोपश्च।
159. कायतेर्डिमिः।
160. सर्वधातुभ्यः ष्ट्रन्।
161. भ्रस्जिगमिनमिह निविश्यशाम् वृद्धिश्च।
162. दिवेर्द्युश्च।
163. उषिखनिभ्यां कित्।
164. सिविमुच्योष्टेरू च।
165. अमिचिमिशसिभ्यः क्त्रः।
166. पुवो ह्रस्वश्च।

167. स्त्यायतेर्ड्रट्।
168. गुधृवीपचिवचियमि सदिक्षदिभ्यस्त्रः।
169. हुयामाश्रुभसिभ्यस्त्रन्।
170. गमेरा च।
171. दादिभ्यश्छन्दसि।
172. भूवादिगृभ्यो णित्रन्।
173. चरेर्वृत्ते।
174. अशित्रादिभ्य इत्रोत्रौ।
175. अमेर्द्विषति चित्।
176. आः समिण्निक षिभ्याम्।
177. चितेः कणः कश्च।
178. सूचेः स्मन्।
179. पातेर्डुम्सुन्।
180. रुचिभुजिभ्यां किष्यन्।
181. वसेस्तिः।
182. सावसेः।
183. वौ तसेः।
184. पदिप्रस्थिभ्यां नित्।
185. दृणातेर्ह्रस्वः।
186. कृतृकृपिभ्यः कीटन्।
187. रुचिवचिकुचिकुटिभ्यः कितच्।
188. कुटिकुषिभ्यां क्मलन्।
189. कुषेर्लश्च।
190. सर्वधातुभ्योऽसुन्।
191. रपेरत एच्च।
192. अशेर्देवने युट् च।
193. उब्जेर्बले बलोपश्च।
194. श्वेः सम्प्रसारणं च।
195. श्रयतेः स्वाङ्गे शिरः किच्च।
196. अर्त्तेरुच्च।
197. व्याधौ शुट् च।
198. उदके नुट् च।
199. इण आगसि।
200. रिचेर्धने घिच्च।
201. चायतेरन्ने ह्रस्वश्च।
202. वृङ्शीङ्भ्यां रूपस्वाङ्गयोः पुट् च।
203. स्रुरीभ्यां तुट् च।
204. पातेर्बले जुट् च।
205. उदके थुट् च।
206. अन्ने च।
207. अदेर्नुम्धौ च।
208. स्कन्देश्च स्वाङ्गे।
209. आपः कर्माख्यायां ह्रस्वो नुट् च वा।
210. रूपे जुट् च।
211. उदके नुम्भौ च।
212. नहेर्दिवि भश्च।
213. इण आगोऽपराधे च।
214. अमेर्हुक्च।
215. रमेश्च।
216. देशे ह च।
217. अञ्च्यञ्जियुजिभृजिभ्यः कुश्च।

218. भूरञ्जिभ्यां कित्।
219. वसेर्णित्।
220. चन्देरादेश्च छः।
221. पचिवचिभ्यां सुट् च।
222. वहिहाधाञ्भ्यश्छन्दसि।
223. इणश्चासिः।
224. मिथुनेऽसिः पूर्ववच्च सर्वम्।
225. नञि हन एह च।
226. विधाञो वेध च।
227. नुवो धुट् च।
228. गतिकारकोपपदयोः पूर्वपदप्रकृतिस्वरत्वं च।
229. चन्द्रे मो डित्।
230. वयसि धाञः।
231. पयसि च।
232. पुरसि च।
233. पुरूरवाः।
234. चक्षेर्बहुलं शिच्च।
235. उषः किच्च।
236. दमेरुनसिः।
237. अङ्गतेरसिरिरुट् च।
238. सर्त्तेरप्पूर्वादसिः।
239. विदिभुजिभ्यां विश्वे।
240. वशेः कनसिः।

।। इति चतुर्थः पादः।।

अथ पञ्चमः पादः

1. अदि भुवो डुतच्।
2. गुधेरूमः।
3. मसेरूरन्।
4. स्थः किच्च।
5. पातेरतिः।
6. वातेर्नित्।
7. अर्त्तेश्च।
8. तृहेः क्नो हलोपश्च।
9. वृञ्लुठितनिताडिभ्य उलच् तण्डश्च।
10. दंसेष्टटनौ न आ च।
11. दंशेश्च।
12. उदि चेर्डैसिः।
13. नौ दीर्घश्च।
14. सौ रमेः क्तो दमे पूर्वपदस्य च दीर्घः।
15. पूञो यण्णुग्घ्रस्वश्च।
16. स्रंसेः शिः कुट् किच्च।
17. अर्त्तेः क्युरुच्च।
18. हिंसेरीरन्नीरचौ।
19. उदि दृणातेरजलौ पूर्वपदान्त्यलोपश्च।
20. डित् खनेर्मुट् चोदात्तः।
21. अमेः सन्।
22. मुहेः खो मूर्च।
23. नहेर्हलोपश्च।

24. शीङो ह्रस्वश्च।
25. माङ ऊखो मय च।
26. कलिगलिभ्यां फगस्योच्च।
27. स्पृशेः श्वण्शुनौ पृ च।
28. श्मनि श्रयतेर्डुन्।
29. अश्र्वादयश्च।
30. जनेष्टन्नलोपश्च।
31. अच् तस्य जङ्घ च।
32. हन्तेः शरीरावयवे द्वे च।
33. क्लिशेरन् लो लोपश्च।
34. फलेरितजादेश्च पः।
35. कृञादिभ्यः संज्ञायां वुन्।
36 चीकयतेराद्यन्तविपर्य यश्च।
37. पचिमच्योरिच्चोपधायाः
38. जनेररष्ठ च।
39. वचिमनिभ्यां चिच्च।
40. ऊर्जि दृणातेरलचौ।
41. कृदरादयश्च।
42. हन्तेर्युन्नाद्यन्तयोर्घत्वतत्वे।
43. क्रमिगमिक्षमिभ्यस्तुन् वृद्धिश्च।
44. हर्यतेः कन्यन् हिर च।
45. कृञः पासः।
46. जनेस्तु रश्च।
47. ऊर्णोतेर्डः।
48. दधातेर्यन्नुट् च।
49. जीर्यतेः क्रिन् रश्च वः।
50. मव्यतेर्यलोपो मश्चापतुट् चालः।
51. ऋजेः कीकच्।
52. तनोतेर्डउः सन्वच्च।
53. अर्भकपृथुकपाका वयसि।
54. अवद्यावमाधमार्वरेफाः कुत्सिते।
55. लीरीङोर्ह्रस्वः पुट् च तरौ श्लेषणकुत्सनयोः।
56. क्लिशेरीच्चोपधायाः कन्लोपश्च लो नाम् च।
57. अश्नोतेराशुकर्मणि वरट् च।
58. चतेरुरन्।
59. प्राततेररन्।
60. अमेस्तुट् च।
61. दहेर्गो हलोपो दश्च नः।
62. सिचेः संज्ञायां हनुमौ कश्च।
63. व्याङि घ्रातेश्च जातौ।
64. हन्तेरच् घुर च।
65. क्षमेरुपधालोपश्च।
66. तरतेड्रिः।
67. ग्रहेरनिः।
68. प्रथेरमच्।
69. चरेश्च।
70. मङ्गेरलच्।

।। इति पंचमः पादः।।

।। इति उणादिसूत्राणि।।

'क' परिशिष्टे

(ग्रन्थस्थसूत्राणां वर्णाऽनुक्रमेण सूची । अत्र निर्दिष्टा अङ्का वामतः क्रमेण पादसूत्रक्रमप्रत्यायकाः)

अघ्न्यादयश्च	4.113	अनुङ् नदेश्च	3.52
अङ्गिमदिमन्दिभ्य आरन्	3.134	अन्दूदृम्फूजम्बूकम्बू०	1.93
अङ्गे रसिः	4.237	अन्ने च	4.206
अङ्गेर्नलोपश्च	4.51	अन्येभ्योऽपि दृश्यन्ते	4.106
अच इः	4.140	अपदुःसुषु स्थः	1.25
अच् तस्य जङ्ग च	5.31	अब्दादयश्च	4.99
अजियमिशीङ्भ्यश्च	3.61	अमिचिमिशसिभ्यः क्त्रः	4.165
अजियुधुनीभ्यो०	3.47	अमितम्योर्दीर्घश्च	2.16
अजिरशिशिरशिथिल०	1.53	अमिनक्षियजिवधि०	3.105
अजिवृरीभ्यो निच्च	3.38	अमेः सन्	5.21
अर्जेरज च	2.49	अमेरतिः	4.60
अज्यतिभ्यां च	4.132	अमेर्दीर्घश्च	1.46
अञ्चिघृसिभ्यः क्तः	3.89	अमेर्द्विषति चित्	4.175
अञ्चेः को वा	4.62	अमेर्हुक् च	4.214
अञ्च्यञ्जियुजि०	4.217	अमेस्तुट् च	5.60
अणश्च	1.8	अम्बरीषः	4.30
अणो डश्च	1.86	अर्चिशुचिहुसृ०	2.110
अण्डन् कृसृभृवृञः	1.129	अर्जिदृशिकम्यमि०	1.27
अत्यविचमित०	3.117	अर्जेरज च	2.49
अदिभुवो डुतच्	5.1	अर्जेर्ऋज च	4.29
अदिशदिभूशुभिभ्यः	4.66	अर्जेर्णिलुक् च	3.58
अदेर्ध च	4.117	अर्त्तिकमिभ्रमिचमि०	3.132
अदेर्नुम् धौ च	4.207	अर्त्तिगृभ्यां भन्	3.152
अदेर्मुट् च	2.107	अर्तिपृवपियजि०	2.119
अदेस्त्रिनिश्च	4.69	अर्तिसृधृधम्य०	2.104
अनिहृषिभ्यां किच्च	4.18	अर्तिस्तुसुहुसृधृक्षि०	1.140

'क' परिशिष्टम्

उदकं च	2.40	एतेर्णिच्च	2.120
उदके थुट् च	4.205	एतेस्तुट् च	1.133
उदके नुट् च	4.198	एधिवह्योश्चतु:	1.77
उदके नुम्भौ च	4.211	कञ्जिमृजिभ्यां चित्	3.137
उदि चेर्डसि:	5.12	कठिकुषिभ्यां काकु:	3.77
उदि दृणातेरलचौ	5.19	कठिचकिभ्यामोरन्	1.64
उद्यर्तेश्चित्	4.89	कणेष्ठ:	1.103
उन्दिगुधिकुषिभ्यश्च	3.68	कदेर्णित् पक्षिणि	4.84
उन्देरिच्चादे:	1.12	कनिन् युवृषितक्षिराजि०	1.156
उन्देर्नलोपश्च	2.77	कन्युच् क्षिपेश्च	3. 51
उपसर्गे वसे:	3.116	कपश्चाक्रवर्मणस्य	3.144
उब्जेर्बले बलोपश्च	4.193	कपिगडिगण्डिकटि०	1.66
उलूकादयश्च	4.42	कबेरोतच् पश्च	1.62
उल्बादयश्च	4.96	कमिमनिजनिगाभा०	1.73
उल्मुकदर्विहोमिन:	3.84	कमे: किदुच्चोपधाया:	3.138
उष: किच्च	4.235	कमे: पश्च	1.55
उषिकुटिदलि०	3.142	कमेरठ:	1.100
उषिकुटिगार्ति०	2.4	कमेर्बुक्	1.107
उषिखनिभ्यां कित्	4.163	कलँश्च	4.5
ऊर्जिदृणाते०	5.40	कलस्तृपश्च	1.104
ऊर्णोतेर्ड:	5.47	कलिकर्द्योरम:	4.85
ऊर्णोतेर्णुलोपश्च	1.30	कलिगलिभ्या०	5.26
ऋच्छेरर:	3.131	कशेर्मुट् च	4.33
ऋजे: कीकच्	5.51	कषिदूषिभ्यामीकन्	4.17
ऋजेश्च	4.23	कषेश्छश्च	1.84
ऋज्रेन्द्राग्रवज्रविप्र०	2.29	कायते	4.159
ऋञ्जिवृधिमन्दि०	2.88	किजरयो: श्रिण:	1.4
ऋतन्यञ्जिवन्यञ्०	4.2	किलेर्बुक् च	1.50
ऋतेरम् च	1.92	किशोरादयश्च	1.65
ऋषिवृषिभ्यां कित्	3.123	कुट:किच्च	4.81
ऋषेर्जातौ	3.67	कुटिकशिकौतिभ्यो०	1.109
ऋहन्भ्यामूषत्	4.74	कुटिकुषिभ्यां०	4.188

'क' परिशिष्टम्

खलति:	3.112	चङ्क्रण: कङ्०	4.19
खष्यशिल्पशष्प०	3.28	चतेरुरन्	5.58
गडे: कड च	3.135	चन्देरादेश्च छ:	4.220
गडेरादेश्च क:	3.106	चन्द्रे मो डित्	4.229
गण्डेश्च	4.79	चरेर्वृत्ते	4.173
गण् शकुनौ	1.127	चरेश्च	5.69
गतिकारकोप०	4.228	चाय: की	1.74
गन् गम्यद्यो:	1.123	चायतेरन्ने ह्रस्वश्च	4.201
गभीरगम्भीरौ	4.36	चिक् च	2.63
गमे: सन्वच्च	3.31	चिते: कण: कश्च	4.177
गमेरा च	4.170	चीकयतेराद्यन्त:	5.36
गमेरिनि:	4.6	चुपेरच्चोपधाया:	1.111
गमेर्गश्च	2.78	च्युव:. किच्च	3.24
गमेर्डो:	2.68	च्विरव्ययम्	2.66
गर्वेरत उच्च	2.55	छन्दसीण:	1.2
गश्चोदि	2.10	छन्दस्यसानच्०	2.87
गादाभ्यामिष्णुच्	3.16	छापूखडिभ्य: कित्	1.124
गिर उडच्	4.157	छित्वरछत्वरधीवर०	3.1
गुधृवीपचिवचिय०	4.168	छो गुग्घ्रस्वश्च	1.113
गुधेरूम:	5.2	जत्र्वादयश्च	4.103
गुपादिभ्य: कित्	1.56	जनिघसिभ्यामिण्	4.131
गृधिपण्योर्दकौ च	3.69	जनिदाच्युसृवृ०	4.105
ग्रसेरा च	1.143	जनिमृङ्भ्यामिमनिन्	4.150
ग्रहेरनि:	5.67	जनेरष्ठ च	5.38
ग्रो मुट् च	1.95	जनेरुसि:	2.117
ग्लानुदिभ्यां डौ:	2.65	जनेर्यक्	4.112
घर्मग्रीष्मौ	1.149	जनेष्टन् नलोपश्च	5.30
घसे: किच्च	4.35	जनेस्तु रश्च	5.46
घृणिपृश्निपार्ष्णि	4.53	जसिसहोरुरिन्	2.74
चकिरभ्योरुच्चोपधाया:	2.14	जहाते: सन्वदाकार०	1.141
चक्षे: शिच्च	2.121	जहातेर्द्वे च	2.35
चक्षेर्बहुलं शिच्च	4.234	जहातेर्द्वेऽन्त्यलोपश्च	3.36

'क' परिशिष्टम्

सूत्र	संख्या
शमेः खः	1.102
शमेर्ढः	1.99
शमेर्बन्	4.95
शलिपटिपतिभ्यो नित्	4.15
शलिमण्डिभ्यामूकण्	4.43
शावशेराप्तौ	1.44
शाशपिभ्यां ददनौ	4.98
शीङो धुक्लक्०	4.39
शीङो ह्रस्वश्च	5.24
शीङ्क्रुशिरुहि०	4.115
शोङ्शपिरुगमिव०	3.113
शुकवल्कोल्काः	3.42
शुचेर्दश्च	2.19
शुसिचिमीनां दीर्घश्च	2.26
शृङ्गारभृङ्गारौ	3.136
शृणातेर्ह्रस्वश्च	1.126
शृरम्योश्च	3.101
शृदॄभसोऽदिः	1.130
शृपॄभ्यां किच्च	4.28
शृपॄवृञां द्वे०	4.20
शृस्वृस्निहित्रप्यसि०	1.10
शेवायह्वजिह्वाग्रीवा०	1.154
श्मनि श्रयतेर्डुन्	5.28
श्यास्त्याहृञविभ्य इनच्	2.47
श्रः करन्	4.3
श्रः शकुनौ	4.129
श्रयतेः स्वाङ्गे०	4.195
श्रुदक्षिस्पृहिगृहिभ्य०	3.96
श्लिषेः कश्च	1.32
श्लिषेरचोपधायाः	3.19
श्वन्नुक्षन्पूषन्प्लीहन्०	1.159
श्वयतेश्चित्	4.72
श्वितेर्दश्च	2.93
श्वेः सम्प्रसारणं च	4.194
संश्चत्तृपद्वेहत्	2.86
सप्यशूभ्यां तुट् च	1.157
समाने ख्यः स चोदात्तः	4.138
समि कस उकन्	2.30
समीणः	2.11
समीणः	4.93
सम्पूर्वाच्चित्	3.72
सम्यानच् स्तुवः	2.90
सरतेरयुः	3.22
सर्त्तेरटिः	1.134
सर्त्तेरपः षुक् च	3.141
सर्त्तेरप्०	4.238
सर्त्तेर्णिच्च	4.90
सर्त्तेर्णित्	2.5
सर्तेर्दुक् च	3.78
सर्त्तेर्नुम् च	4.24
सर्वधातुभ्यः ष्ट्रन्	4.160
सर्वधातुभ्य इन्	4.119
सर्वधातुभ्यो मनिन्	4.146
सर्वधातुभ्योऽसुन्	4.190
सर्वनिघृष्वरिष्वलष्व०	1.153
सलिकल्यनिमहि०	1.54
सव्ये स्थश्छन्दसि	2.103
सहो धश्च	2.115
सातिभ्यामनिन्मनिणौ	4.154
सानसिवर्णसि०	4.108
सावसेः	4.182
सावसेर्ऋन्	2.98
सिचेः संज्ञायां०	5.62
सितनिगमिमसिसच्य०	1.69

'ख' परिशिष्ट

उणादिसूत्रेषु निर्दिष्टानां प्रत्ययानां वर्णानुक्रमेण सूची। अत्र निर्दिष्टा अङ्काः क्रमेण वामतः पादसूत्रक्रमप्रत्यायकाः।

अक्नुच्	3.81	अदि:	1.130-133
अङ्गच्	1.119-22	डित्	1.132
-कित्	1.121	अन्	5.33
अच्	5.19,31,32,40।	अनि:	2.104-109; 5.67
	41,54,64,65	-कित	2.109
-डिन्	5.20		
अच: (पा०)	4.2	अनुङ्	3.52
अजि:	1.136-138	अन्य:	3.100-103
-कित्	1.137	-नित्	3.102
अटच्	4.105,106	अन्युच्	3.81
अटन्	4.82	अप:	3.141
अटि:	1.134,135	अबक	4.97
अठ:	1.100,101	अभच्	3.122-125
अण्डन्	1.129	-कित्	3.123
अतच्	3.110,111	-नित्	3.124
-कित्	3.111	अम:	4.85; 5.54
अति:	2.85,86; 4.60-64	अमच्	5.68,69
	5.5-7	अम्बच्	4.83,84,97
-चित्	4.61	-णित्	4.84
-नित्	4.64; 5.6	अयु:	3.22
अत्रन्	3.105-107	अर:	3.131,132; 5.38.39
-चित्	3.107	-चित्	3.132; 5.39
अत्रिन्	4.70	अरन् (अर)	4.156
अथ:	3.113-116	अरन्	5.59,60
-ङित्	3.115	अरु:	4.80,81
-चित्	3.114	-कित्	4.81

भन्	3.152,153
-कित्	3.153
मक्	1.145-149
मदिक्	1.139
मन्	1.140-144
-कित्	1.144
मनि:	4.153
मनिण्	4.154
मनिन्	4.146-148,152,154
मिनि:	3.84
मि:	4.44-48
-कित्	4.46
मुक्	3.84
य:	4.110,111
यक्	4.112,113
यत्	4.108; 5.15,16,54
	5.48
-कित्	5.16
यतुच्	4.2
युक्	3.21
युच् (> अन)	2.75-79
युच् (> यु)	3.20
युन्	5.42
र:	5.55
रक्	2.13-24
रन्	2.28,29
रु:	4.102,103
लक्	4.39
व:	1.155; 2.64
वन्	1.152-154; 5.54
वनिप्	4.114
वरट्	5.57
वलच्	4.108
वलञ्	4.39
वालज्	1.116
वालन्	4.39
विन्	3.84;4.54
वुन्	5.35-37,53
शक्	4.105,106
शुन्	5.27
श्वण्	5.27
षवन्	1.150
षिवन्	1.150
ष्ट्रन्	4.160-164
-कित्	4.163
ष्वन्	1.150
ष्वरच्	2.123, 3.1
स:	3.62-69
-कित्	3.66-69
सन्	5.21
सरन् ('सर:' पा०)	3.70-74
कित्	3.73
चित्	3.72
सिकन्	4.155
स्मन्	4.178
स्य:	4.105,106
स्यन्	4.2
ह	5.62

'ग' परिशिष्टे

ग्रन्थस्थोदाहरणानां वर्णानुक्रमेण सूची

(साक्षाद् उणादिसूत्रघटिता बाहुलकात् परम्परया च प्राप्ताः शब्दा अत्र सङ्कलिताः । अत्र निर्दिष्टाऽङ्का वामतः क्रमेण पादसूत्र-क्रम-प्रत्यायकाः सन्ति ।)

'ग' परिशिष्टम्

पाथ: (उदकम्)	4.205	पीवर:	3.1	पृदाकु:	3.80
पाथ: (अन्नम्)	4.206	(पीवरी)	4.116	पृश्नि:	4.53
पाथि:	2.116	पीवा	4.116	पृषत्	2.85
पादू:	1.85	पुण्डरीकम्	4.21	पृषत:	3.111
(पाप:)	3.23	पुण्ड्र:	2.13	पृष्ठम्	2.12
पापम्	3.23	पुण्यम्	5.15	पेचक:	5.37
पाप्मा	4.152	पुत्र:	4.166	पेत्वम्	4.106
पायु:	1.1	पुमान्	4.179	पेयूषम्	4.77
पारक्	1.136	पुरण:	2.82	पेरु:	4.102
पारु:	4.102	पुरि:	4.144	पेरु:	1.37
पार्श्व:	5.27	पुरीषम्	4.28	पेशल:	1.106
पार्ष्णि:	4.53	पुरु:	1.23	पेषि:	4.120
पालि:	4.131	पुरुष:	4.75	पोत:	3.86
पाशधर:	2.23	पुरूखा:	4.233	पोता (पोतृ)	2.97
पाषाण:	2.91	पुरोधा:	4.232	पोत्रम्	4.171
पिङ्गल:	1.109	पुलस्ति:	4.181	पोषयित्नु:	3.29
पिञ्जर:	3.131	पुलिनम्	2.54	(पौलस्त्य:)	4.181
पिञ्जूलम्	4.91	पुलिन्द:	4.86	प्यात्वम्	4.106
पिठिरम्	1.53	पुष्करम्	4.4	प्रख्या:	4.234
पिण्डिल:	1.54	पुष्कलम्	4.5	प्रतिदिवा	1.156
पिण्याक:	4.16	पुष्पप्रचायिका	2.33	प्रथम:	5.68
पिता	2.97	पूग:	1.124	प्रथिति:	4.184
पिनाक:	4.16	पूजिल:	1.56	प्रश:	4.118
पियाल:	3.76	पूरुष:	4.75	(प्रशत्वरी)	4.118
पिशितम्	3.95	पूषा	1.159	प्रशत्वा	4.118
पिशुन:	3.55	पृथक्	1.137	प्रशास्ता	2.95
पीतु:	1.71	पृथवी	1.150	प्रसत्वा	4.118
पीथ:	2.7	पृथिवी	1.150	प्रस्थायी	4.9
पीयु:	1.36	पृथु:	1.28	(प्रहरि:)	4.136
पीयूषम्	4.77	पृथुक:	5.53	प्रहाणि:	4.52
पीलु:	1.37	पृथ्वी	1.150	प्रहि:	4.136

'ग' परिशिष्टम्

(मनुषी) 2.119
मन्ता 2.96
मन्तुः 1.73
मन्थाः 4.11
मन्दः 4.99
मन्दनम् 2.82
मन्दरः 3.131
मन्दसानः 2.88
मन्दाकानि 4.13
(मन्दाकिनी) 4.13
मन्दारः 3.134
(मन्दारुः) 3.134
मन्दिरम् 1.51
मन्दुरा 1.38
मन्द्रः 2.13
मन्युः 3.20
ममाप्तालः 5.50
मयटः 4.82
मयुः 1.7
मयूखः 5.25
मयूरः 1.67
मरतः 3.110
मरिमा 4.150
मरीचिः 4.71
मरुः 1.7
मरुत् 1.94
मरूकः 4.40
मर्कः 3.43
मर्कटः 4.82
(मर्कटी) 4.82
मर्जूः 1.81
मर्त्तः 3.86
(मर्त्यः) 3.86
मर्दलः 1.106
मर्मरीकः 4.21
मलम् 1.110
मलयः 4.100
मलिनः 2.50
मल्लिका 2.33
मल्लूरः 4.91
मवाका 4.40
मसिः 4.119
मसिनम् 2.50
(मसी) 4.119
मसुराः 1.43
(मसूरः) 1.43
मसूरः 5.3
(मसूरा) 5.3
मस्तकम् 3.148
मस्तुः 1.69
महः 4.190
महत् 2.85
(महती) 2.85
महसम् 3.117
महानसम् 4.190
महिनम् 2.57
(महिमा) 2.85
महिलः 1.54
(महिलम्) 1.54
(महिला) 1.54
महिषः 1.45
(महिषी) 1.45
(महेला) 1.54
मांसम् 3.64
माः 4.190
(माङ्गल्यम्) 5.70
(माठरः, माठर्यः) 5.39
मातरिश्वा 1.159
माता 2.97
मात्रा 4.169
माया 4.110
मायुः 1.1
मार्जारः 3.137
(मार्जारी) 3.137
मार्जालीयः 1.116
मालः 2.29
मालतिः 4.60
(मालती) 3.110
(मालती) 4.60
मालम् 2.29
(माला) 2.29
माहिनम् 2.57
मितद्रुः 1.34
मित्रम् 4.165
मित्रयुः 1.37
मिथिला 1.57
मिथुनम् 3.55
मिश्रः 2.13
मिहिरः 1.51
मीनः 3.3
मीरः 2.26
मीवः 1.154
मीवरः 3.1
मुकुरः 1.40

य

र

शब्द	सूत्र
सत्रम्	4.168
सदः	4.190
सधिः	2.115
सनिः	4.141
सन्ध्या	4.113
सप्तन्	1.157
समया	4.176
समरः	3.131
समिथः	2.11
समीचः	4.93
समीची	4.93
समुद्रः	2.13
(सम्पातिः)	5.5
सम्प्रहारिः	4.126
सरः	4.190
सरकम्	5.35
सरट्	1.134
सरटः	4.82
सरटः	4.106
सरणिः	2.104
सरण्डः	1.129
सरण्युः	3.81
सरयुः	3.22
सरयूः	3.22
सरलः	1.106
(सरसी)	4.190
(सरस्वान्)	4.190
सरित्	1.97
सरिमा	4.149
सर्जूः	1.80
सर्पिः	2.110
सर्मः	1.140
सर्वः	1.153
सर्ववेदाः	4.228
सर्षपः	3.141
सलिलम्	1.54
सवनः	2.75
सव्यम्	4.111
सव्येष्ठा	2.103
सस्यम्	4.110
सहः.	4.190
सहसानः	2.88
(सहस्यः)	4.190
सहारः	3.139
सहुरिः	2.74
सहोरः	1.65
साकम्	3.43
सादिः	4.126
साधन्तः	3.128
साधुः	1.1
साध्वसम्	3.117
सानसिः	4.108
सानुः	1.3
साम	4.154
सारङ्गः	1.122
सारणिः	2.104
(सारणी)	2.104
सारथिः	4.90
सार्थः	2.5
सास्ना	3.15
(साहसिकः)	4.190
सिंहः	5.62
सिक्थम्	2.7
सितम्	3.89
सिध्रः	2.13
(सिध्रकाः)	2.13
सिनः	3.2
सिन्दूरम्	1.68
सिन्धुः	1.11
सिमः	1.144
सिरा	2.13
सीता	3.90
सीमा	4.152
सीमिकः	2.44
सीरः	2.26
सुजवाः	4.224
सुतपाः	4.224
सुतपाः	4.228
सुतेजाः	4.228
सुत्रामा	4.146
सुधर्मा	4.153
(सुनीथः)	2.2
सुपयाः	4.224
सुपेशाः	4.224
सुप्रतीकः	4.26
(सुमित्रा)	4.165
सुमेरुः	4.102
सुयशाः	4.224
सुरः	2.25
सुरतः	5.14
(सुरा)	2.25
सुरेणुः	3.38
सुवक्षाः	4.228

शब्द	संदर्भ
हनुष: (पाठा०)	4.74
हनूष:	4.74
हन्ता	2.96
हरि:	4.120
हरिण:	2.47
(हरिणी)	2.47
(हरिणी)	3.93
हरित्	1.97
हरित:	3.93
(हरिता)	3.93
हरिद्रु:	1.34
हरिमा	4.149
हरेणु:	2.1
हर्यत:	3.110
हर्षयित्नु:	3.29
हर्षुल:	1.96
हलि:	4.119
हवि:	2.110
हस्त:	3.86
(हस्ती)	3.86
हस्र:	2.13
हानि:	4.52,126
हान्त्रम्	4.161
हारि:	4.126
हालु:	1.1
हासा	4.222
हिंसीर:	5.18
हिङ्गु:	1.36
हिण्डीर:	4.31
हिमम्	1.147
(हिमानी)	1.147
हिरण्यम्	5.44
हिरण्यरेता:	4.228
हृदयम्	4.101
हृषीकम्	4.18
हृषु:	1.23
हेतु:	1.73
हेम:	4.146
हेमन्त:	3.129
हेलि:	4.119
होता	2.97
होत्रम्	4.169
होम:	1.140,4.152
होमा	4.152
होमी	3.84
हौत्व:	4.106
ह्रस्व:	1.153
ह्रीक:	3.48
(ह्रीका)	3.48
ह्रीकु:	3.85
ह्लीका	3.48
ह्लीकु:	3.85

क्र.सं.	स्वा. शान्तिधर्मानन्द सरस्वतीजी के डी वि डी	मूल्य
1.	लघुसिद्धान्तकौमुदी, अर्थसंग्रह, सांख्यकारिका, तर्कसंग्रह।	25
2.	वेदान्तपरिभाषा, योगसूत्र, मानमेयोदय, मानमनोहर, तर्कभाषा, शिवसूत्र।	25
3.	ब्रह्मसूत्रं, 1 भगवद्गीता 1-8।	25
4.	1 भगवद्गीता 9-10, 1 ईश से छान्दोग्य 1-5।	25
5.	1 छान्दोग्य 6-8 व बृहदारण्यक, 2 भगवद्गीता 1-6।	25
6.	2 भगवद्गीता 7-18, 2 ईश से मुण्डक तक।	25
7.	2 माण्डूक्य से ऐतरेय तक व अंग्रेजी में छान्दोग्य से बृहदारण्यक 1-5 तक।	25
8.	श्रीमद्भागवतम् 1-23।	25
9.	श्रीमद्भागवतम् 24-34, भागवतकथा- शान्तिधर्मानन्दजी, ठाकुरजी, काशिकानन्दजी, रामानंदजी व विश्वात्मानंदजी।	25
10.	भागवतकथा-पराशरजी, पंचदशी, सिद्धान्तबिन्दु व शिवदृष्टिः 1-7।	25
11.	शिवदृष्टिः- 8, प्रवचनसंग्रहः, उपदेशसाहस्री, त्रिपुरोपनिषद्, षड्दर्शनसूत्रपाठः, सिद्धान्त कौमुदी 1-4।	25
12.	सिद्धान्त कौमुदी 5-10, चित्सुखी 1-6, न्यायसिद्धान्तमुक्तावली 1-2, व्याकरण महाभाष्यं 1-6	25

क्र.सं.	प्रकाशित पुस्तकों की सूची	मूल्य
1.	शिवपूजापद्धतिप्रकाशः	मुफ्त
2.	योगपंचदशी	100
3.	सर्वदर्शनसारः	175
4.	श्रीचक्रपूजापद्धतिप्रकाशः	250
5.	वास्तुपूजापद्धतिप्रकाशः	120
6.	शक्तिमहिम्नःस्तोत्रम्	120
7.	दुर्गापूजापद्धतिप्रकाशः	250
8.	दुर्गाहोमविधिः	250
9.	उणादिकोशः	30
10.	शक्तिमहिम्नःस्तोत्रम् (मूलमात्रम्)	मुफ्त
11.	शिव-शक्तिमहिम्नःस्तोत्रम् (मूलमात्रम्)	मुफ्त
12.	**Holistic Yoga**	220
13.	**An Advatik View of Kantian Thoughts**	560
14.	**Wisdom of Yoga**	**Free**